माँ

पुण्यो केटालाये करी ने तारी वडवाई ओ बनिया छे माँ !
अंधकारो केट्लाये त्यजी ने तारी परछाईओ मां शम्या छे माँ !
स्मित केट्लाये सर्जी ने, तारा स्पर्शे, कंई दुखो भुलाव्या छे, माँ !
कष्ट केट्लाये भूली ने, तारी गोद मां, इश थी रम्या छे, माँ !
प्रभु ने केट्लाये स्मर्या, स्मृति मां छबी तारी ज पाम्या छे माँ !
जन्म केट्लाये जन्मिए, भवो भव मां, माता तमेज रहेशो, माँ !